तेरी गलियो का हु आशिक

तेरी गलियो का हु आशिक तू एक नगीना है,
तेरी नजरो का मुझे ये जाम पीना है,
तेरी गलियो का.....

तेरे बिन कोई दूसरा नहीं मेरा,
छोडू नहीं कस के पकड़ा है दामन तेरा,
तू ही मक्का तू ही काबा तू ही मदीना है,
तेरी गलियो का.....

मेरे हम दम मेरे साथी मेरे साथी हम दम,
तेरी ख़ुशी मेरी ख़ुशी तेरा गम मेरा गम,
तू लहू है जान है तू ही पसीना है,
तेरी गलियों का ....

किस तरह श्रोहड़ पे बुलबुल आशियाना छोड़ दे,
मैं न छोडू गा तुझे चाहे ज़माना छोड़ दे,
दिया है दर्द जो भी तूने तू ही दवा देगा,
तू ही दरिया तू ही साहिल तू ही सवीना है,
तेरी गलियो का.....

तेरी नजरो से ये मुझे याम पीना है,
तेरी गलियों का.....

स्वर : बाबा रसिका पागल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5834/title/teri-galiyo-ka-hu-ashik-tu-ek-nageena-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |